सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

फूलों की सुगंध केवल वायु की दिशा में फैलती है, लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।
-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 127 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 12 जून, 2025

रबाडा का पंजा, 212 रन पर सिमटे... 7 | अब्बास को लेकर राजभर और... 3 | पारा 42 के पार बीजेपी पर अखिलेश... 2

एयर इंडिया प्लेन क्रैश
विमान में सवार सभी यात्रियों की मौत

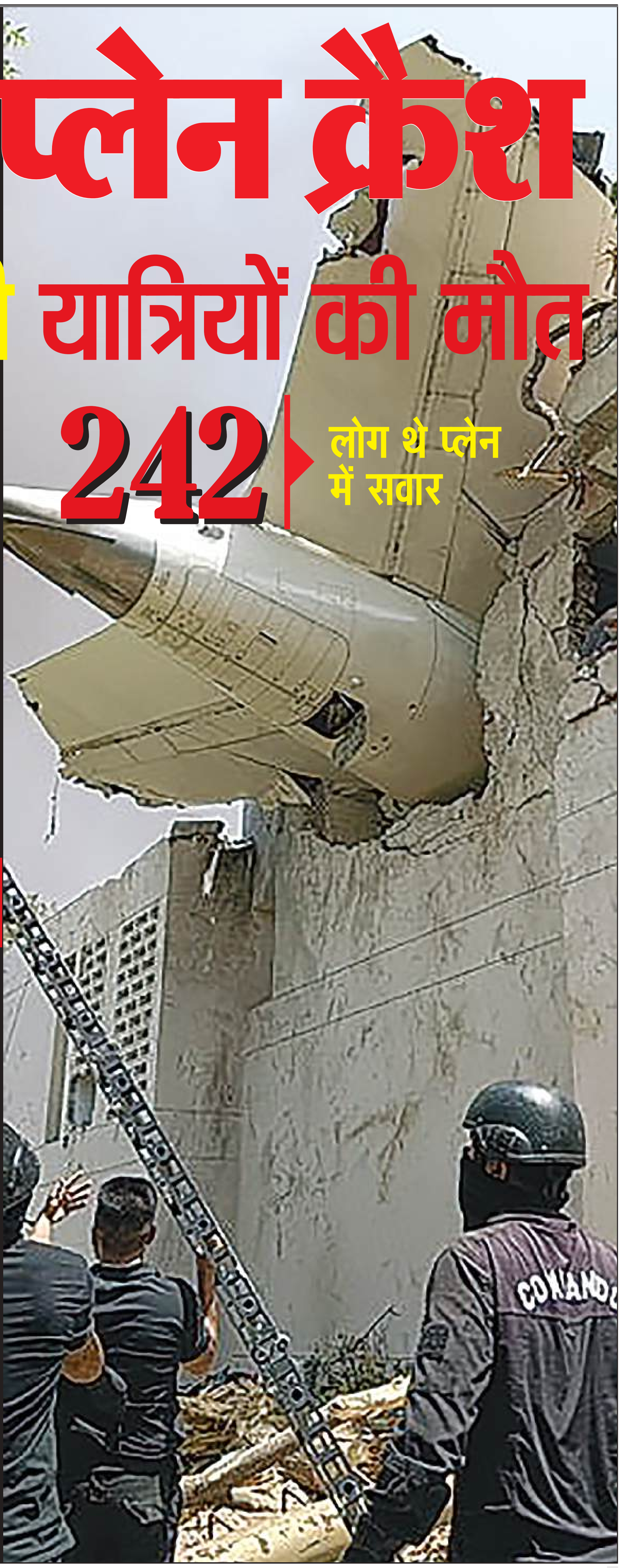

242 लोग थे प्लेन में सवार

» गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी प्लेन में थे सवार, मौत

4पीएम न्यूज नेटवर्क

अहमदाबाद। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एयर इंडिया की फ्लाइट 171 दुर्घटनाग्रस्त हो गई। यह बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान लंदन के गेटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भर रहा था।

विमान में कुल 242 लोग सवार थे, जिनमें 230 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य शामिल थे। विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी सवार थे। यात्रियों में 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था। उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद विमान मेघानी नगर क्षेत्र में एक आवासीय इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद विमान में भीषण आग लग गई जिससे आसपास के क्षेत्रों में धुएं के गुबार दिखाई दिए।

दीवार से टकराया विमान

विमान के उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद ट्रांसपोंडर से संपर्क टूट गया और विमान का पता नहीं चल सका। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार विमान ने हवाई अड्डे की परिधि की दीवार से टकराया और फिर आवासीय क्षेत्र में गिरा। इससे यह संकेत मिलता है कि विमान ने टेक-ऑफ के बाद नियंत्रण खो दिया था। भारतीय विमानन मंत्रालय और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने दुर्घटना की गहन जांच शुरू कर दी है। विमान के ब्लैक बॉक्स और डेटा रिकार्डर की जांच से दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

169	53	07	01	12
भारतीय	ब्रिटिश	पुर्तगाली	कनाडाई	चालक दल

अहमदाबाद से लंदन जा रहा था प्लेन

विमान जिस बिल्डिंग पर गिरा है वो डॉक्टर्स हॉस्टल बताया जा रहा है प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक उस हॉस्टल में भी 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

पीएम मोदी के बेहद करीबी माने जाते थे विजय रूपाणी

पीएम मोदी व शाह दिल्ली से अहमदाबाद रवाना

पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को जैसे ही हादासे की जानकारी मिली वह अहमदाबाद के लिए रवाना हो गये। उनके साथ उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू भी साथ हैं। केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु और गुजरात के मुयमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एयर इंडिया के विमान हादसे पर दुख व्यक्त किया करते हुए सोशल मीडिया एस हैंडल पर लिखा है कि अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बारे में जानकर स्तध हूं। उन्होंने कहा हम अलर्ट पर हैं। मैं व्यतिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और सभी विमानन और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आगे कहा, बचाव दल को तैनात कर दिया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं कि चिकित्सा और राहत सहायता घटनास्थल पर पहुंचाई जाए। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं विमान में सवार सभी लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं।

गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी की विमान दुर्घटना में मौत, राजनीतिक दृष्टिकोण से अपूर्णनीय क्षति

अखिलेश यादव ने जाहिर किया दुख

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख जाहिर किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एस हैंडल पर पोस्ट कर कहा अहमदाबाद प्लेन क्रैश की दुर्घटना का तुरंत स्पष्टीकरण आए जिससे आशंकाओं का उन्मूलन हो सके। यात्रियों और क्रू के सदस्यों सभी के लिए प्रार्थनाएं। उच्च स्तरीय बचाव राहत और उपचार उपलध कराया जाए।

मदद के लिए हॉटलाइन नबर
1800 5691 444

विमान ने टेक-ऑफ के बाद नियंत्रण खो दिया था

पारा 42 के पार, बीजेपी पर अखिलेश यादव का वार

सपा प्रमुख ने बीजेपी को यूपी में अराजकता फैलाने वाली पार्टी बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा का चरित्र अलोकतांत्रिक और उसका आचरण अधिनायकवादी है। भाजपा आज भारतीय संविधान के लिए चुनौती बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार विधानसभा चुनावों के नजदीक आते ही जानबूझकर अराजकता का माहौल बनाना चाहती है।

अखिलेश यादव राजधानी लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के शासन में हर विभाग भ्रष्टाचार और घोटालों से ग्रस्त है। कानून-व्यवस्था की हालत बदतर हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चियों पर अत्याचार के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। सरकार अपराध रोकने में विफल रही है बल्कि भाजपा के नेता और कार्यकर्ता स्वयं अराजकता फैला रहे हैं। जिलों में गरीबों और सरकारी जमीनों पर खुलेआम कब्जे किए जा रहे हैं। भाजपा अब भू-माफियाओं की पार्टी बन गई है।

असली विकास सपा ने किया

सपा अध्यक्ष ने अपनी सरकार के कार्यों को याद दिलाते हुए कहा कि समाजवादी सरकार ने यूपी को विकास का विजन दिया था। उनके कार्यकाल में एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, पार्क, और वीमेन पावर लाइन 1090 जैसी योजनाएं शुरू की गईं। बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पावर प्लांट लगाए गए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार अपने आठ साल के कार्यकाल में एक भी यूनिट बिजली उत्पादन नहीं बढ़ा सकी है।

विपक्ष के नेताओं की छवि खराब करती है बीजेपी

अखिलेश यादव ने भाजपा पर विपक्षी नेताओं की छवि खराब करने और निर्दोषों पर फर्जी मुकदमे लगाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की गौशालाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है और सरकार को जवाब देना चाहिए कि उसने कितनी गायों के लिए कितना बजट आवंटित किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा, फ़जब तापमान 42 डिग्री पार है, तब भी समाजवादी कार्यकर्ता भाजपा की नीतियों के खिलाफ पूरे जोश से संघर्ष कर रहे हैं। जनता अब भाजपा के अत्याचार को और सहन करने को तैयार नहीं है। 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा का सफाया होगा और समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। इस कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, सांसद आरके चौधरी, राज्यसभा सदस्य जावेद अली, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, और पूर्व मंत्री रविदास मेहरोत्रा समेत कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल रहे।

जन सुराज या तो अर्श पर रहेगी या फर्श पर रहेगी: प्रशांत किशोर

» बिहार और नीतीश कुमार पर प्रशांत किशोर का बड़ा दावा, अपनी परफॉर्मेंस पर भी दिया बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, राजनीतिक पार्टियां कई दावे करने लगी हैं, कभी जनता को लेकर तो कभी अपनी ही सीटों को लेकर। जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर का कहना है कि हमारी पार्टी बिहार की व्यवस्था बदल कर रहेगी, फिर चाहे वह सत्ता में रहकर बदले या फिर 5-6 साल तक संघर्ष करके बदले।

प्रशांत किशोर ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने बिहार चुनाव को लेकर कई दावे किए। उन्होंने कहा कि जन सुराज या तो अर्श पर रहेगी या फर्श पर रहेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की या तो इतनी कम सीटें आएंगी की हम लोगों को 5-6 साल और संघर्ष करना पड़ेगा या इतनी ज्यादा सीटें आएंगी कि हम लोग बिहार की व्यवस्था को बदलने में लग जाएंगे। किशोर ने आगे कहा कि बिहार की व्यवस्था या तो सत्ता में आकर बदलेंगे या फिर 5 साल संघर्ष करके बदलेंगे लेकिन बदलेंगे जरूर।

प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि नवंबर में यानी चुनाव के नतीजे आने के बाद बिहार वैसा नहीं रहेगा जैसा है। क्योंकि नवंबर के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नहीं रहेंगे। चुनाव के नतीजों के बाद बिहार में नया मुख्यमंत्री होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कोई भी बने बिहार की व्यवस्था तो बदलने वाली है।

प्रशांत किशोर ने अपने एक बयान में कहा कि अगर आपको बिहार में बदलाव चाहिए तो नेताओं का नहीं बल्कि जनता का राज लाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम लोगों से अपील करते हैं कि आप लोग रोजगार और बच्चों की शिक्षा को देखकर ही वोटिंग करें। किशोर ने बीते मंगलवार को ह्ष्ट और ह्नष्ठ्र दोनों गठबंधनों पर निशाना साधते हुए कहा जब हमने पदयात्रा शुरू की थी, तब बीजेपी हमें इंडिया गठबंधन की टीम का हिस्सा बता रही थी। अब इंडिया हमें एनडीए गठबंधन की टीम का हिस्सा बता रही है। इससे पता चलता है कि दोनों गठबंधनों में जनसुराज पार्टी की लहर को लेकर कितना डर का माहौल है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने बनाया 'लोक मोर्चा' खुद होंगे सीएम चेहरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» चुनावी मैदान में फिर उतरने की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने पंचायत चुनाव और आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए एक नया राजनीतिक गठबंधन 'लोक मोर्चा' तैयार किया है। इस मोर्चे में उन्होंने कई दलों को साथ लाने का दावा किया है।

स्वामी प्रसाद मौर्य का सियासी सफर हमेशा चर्चाओं में रहा है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अलविदा कहकर समाजवादी पार्टी (सपा) का दामन थामा था। लेकिन सपा में उनका सफर अपेक्षाकृत छोटा रहा। इसके बाद उन्होंने 'जनता पार्टी' के नाम से अपना अलग राजनीतिक संगठन बनाया। अब एक बार फिर मौर्य ने नया मोर्चा खोलते हुए 'लोक मोर्चा' का गठन किया है। माना जा रहा है कि इस गठबंधन के ज़रिए वह राज्य की सियासत में फिर से दमदार वापसी की तैयारी में हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य के निजी सचिव सज्जाद अली के मुताबिक, लोक मोर्चा की एक बैठक में सर्वसम्मति से मौर्य को आगामी विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि मोर्चे से जुड़े सभी घटक दलों की सहमति से यह निर्णय लिया गया है। लोक मोर्चा के आगे की रणनीति को लेकर सभी की नजरें अब स्वामी प्रसाद मौर्य पर टिकी हैं।

मौनी अमावस्या की भगदड़ में मौतों को लेकर रिपोर्ट पर घमासान, केशव मौर्य ने दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में इस साल आयोजित महाकुंभ 2025 की मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ की घटना एक बार फिर चर्चा में आ गई है। सरकार जहां 37 मौतों की पुष्टि कर चुकी है, वहीं मीडिया संस्थान की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उस दिन कुल 82 लोगों की मौत हुई थी। इस रिपोर्ट को लेकर अब राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिक्रिया दी है।

वाराणसी में मीडिया से बातचीत करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा आप कोई खबर चलाएं और हम तुरंत उस पर प्रतिक्रिया दें, ऐसा ज़रूरी नहीं। घटना बेहद दुखद थी और हर पीड़ित परिवार की मदद की गई है।

उन्होंने आगे कहा कि महाकुंभ 66 करोड़ श्रद्धालुओं की भागीदारी के साथ भव्य और दिव्य आयोजन रहा। हमारी कोशिश रहती है कि जो भी श्रद्धालु आए, वह सकुशल लौटे। लेकिन दुर्भाग्य से मौनी अमावस्या पर एक दुखद घटना घटी। हम सभी को इसका खेद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई है।

अखिलेश यादव ने रिपोर्ट को बताया 'महासत्य की शुरुआत'

तो वहीं इससे पहले मीडिया संस्थान की इस रिपोर्ट को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सवाल उठाते हुए लिखा, यह रिपोर्ट अंत नहीं, बल्कि महाकुंभ में हुई मौतों और उनसे जुड़े आर्थिक मामलों के महासत्य की खोज का आरंभ है। जब सत्य सामने आता है, तो झूठ की परतें खुलती हैं, और हर स्वांग, हर मुखौटा उतरता चला जाता है। अखिलेश ने यह भी कहा कि सरकारी सूचना-प्रबंधन चाहे जितनी कोशिश करे, लेकिन सच को दबाया नहीं जा सकता।

सरकार और विपक्ष आमने-सामने

जहां सरकार महाकुंभ के आयोजन को सफल और ऐतिहासिक बता रही है, वहीं विपक्ष इसे प्रशासनिक लापरवाही और आंकड़ों की हेराफेरी बता रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट ने इस मुद्दे को नया मोड़ दे दिया है और आने वाले दिनों में यह बहस और भी गर्मा सकती है।

स्टांप चोरी केस में अब्दुल्ला आजम को 4.64 करोड़ रुपये का जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आज़म ख़ान के बेटे व पूर्व विधायक अब्दुल्ला आज़म ख़ान को स्टांप चोरी के एक मामले में 4 करोड़ 64 लाख रुपये का भारी-भरकम जुर्माना भरना पड़ेगा। रामपुर जिला प्रशासन ने इस जुर्माने की वसूली के लिए रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी कर दी है।

रामपुर के अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त) द्वारा यह आरसी जारी करते हुए संबंधित तहसील को निर्देश दिए गए हैं कि अब्दुल्ला आज़म से यह रकम वसूली जाए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब्दुल्ला आज़म ने बेजिल घाटमपुर इलाके में तीन अलग-अलग भूखंड खरीदे थे। आरोप है कि इन जमीनों की रजिस्ट्री करते समय उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा तय किए गए सर्किल रेट से कम स्टांप शुल्क अदा किया। इस मामले की जांच एसडीएम सदर द्वारा की गई और उसके बाद जिलाधिकारी न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया। 3 अप्रैल 2025 को अदालत ने स्टांप शुल्क की कमी और स्टांप चोरी के आरोपों के तहत अब्दुल्ला आज़म पर लगभग 4.64 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। हालांकि, यह राशि अब तक जमा नहीं की गई, जिसके चलते अब आरसी जारी कर कानूनी वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अब्बास को लेकर राजभर और भाजपा में टकराव

राजभर ने निकाल दी बीजेपी की हेकड़ी

फैसला दिल्ली से होगा, टूट जाएगा एनडीए!

» फिर चर्चा में आया मऊ
» 2022 का विधानसभा चुनाव सुभासपा ने सपा के साथ गठबंधन में लड़ा था

गीताश्री/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हेट स्पीच में दोषी ठहराए जाने के बाद अब्बास अंसारी की विधानसभा सदस्यता निरस्त हो गई है। जिसके चलते मऊ सदर सीट खाली हो चुकी है। वहीं अब यहां उपचुनाव होना तय है। जिसको लेकर अब बड़ा सवाल यह उठ खड़ा हुआ है कि इस सीट से सुभासपा मैदान में उतरेगी या भाजपा वहीं मऊ सदर सीट को लेकर दावा दोनों ही पार्टी कर रही है और दोनों के तर्क भी अपने-अपने हैं। दरअसल अब्बास अंसारी जब विधायक बने थे। तब उनकी पार्टी सुभासपा- सपा के साथ गठबंधन में थी। वहीं अब सुभासपा का गठबंधन भाजपा से है। इससे स्थितियां बदल चुकी हैं। वहीं आज हम बात करेंगे की इस सीट पर दोनों दलों में किसका दावा मजबूत है। और इस सीट पर राजनीतिक समीकरण क्या है।

वहीं 2022 के विधानसभा चुनाव सुभासपा ने सपा के साथ गठबंधन में लड़ा था, तब सुभासपा के टिकट पर मऊ सदर सीट से अब्बास अंसारी चुनाव लड़े और वे दावा करते रहे हैं कि उन्हें सपा के कोटे से ये टिकट मिला था। वहीं सपा से गठबंधन छोड़कर सुभासपा जब भाजपा के साथ आई, तब भी अब्बास यूपी सरकार के विरोध में ही मुखर रहे। वह अक्सर सरकार के खिलाफ सपा मुखिया अखिलेश के पोस्ट को री-पोस्ट करते रहे। वहीं लोकसभा 2024 के चुनाव में ये सीट समझौते के तहत सुभासपा को मिली थी। सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर के बेटे अरविंद राजभर भाजपा के सिंबल पर चुनाव में उतरे थे। सपा ने यहां से राजीव राय और बसपा ने बालकृष्ण चौहान को प्रत्याशी बनाया था।

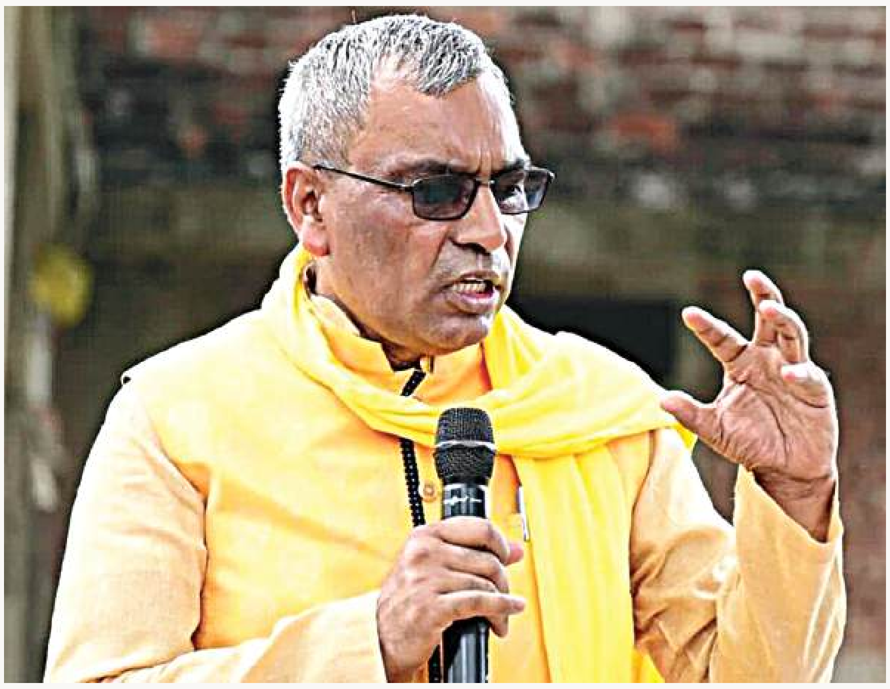

सपा उम्मीदवार राजीव राय की हुई थी जीत

वहीं चुनाव परिणाम सपा उम्मीदवार राजीव राय के पक्ष में आया और उन्होंने अरविंद राजभर को 1.62 लाख वोटों के अंतर से हराया। राजीव राय को 5.03 लाख तो अरविंद को 3.40 लाख वोट मिले थे। बसपा तीसरे स्थान पर रही। उसे यहां 2.09 लाख वोट से संतोष करना पड़ा था। वहीं अब उपचुनाव में भाजपा अपना प्रत्याशी इस आधार पर उतार सकती है कि उसने लोकसभा चुनाव में सुभासपा को मौका दिया था। जानकारी के मुताबिक मऊ और गाजीपुर जिले भी सुभासपा का गढ़ माने जाते हैं। लेकिन 2024 के लोकसभा में जिस तरह से सुभासपा प्रमुख के बेटे को हार देखनी पड़ी उससे ये संदेश भी निकला कि ओपी की राजभर सहित अन्य पिछड़ों पर पकड़ कमजोर हो रही है।

हेट स्पीच की वजह से अब्बास पर केस हुआ था दर्ज

हेट स्पीच की बात 3 मार्च 2022 की है....... जब अब्बास ने मऊ के पहाड़पुर मैदान में चुनावी रैली की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां पर जो आज डंडा चला रहे हैं अगले मुख्यमंत्री होने वाले अखिलेश भैया से कहकर आया हूं, सरकार बनने के बाद छह महीने तक कोई तबादला और तैनाती नहीं होगी जो है वह यहीं रहेगा। जिस-जिस के साथ जो-जो किया है। उसका हिसाब किताब यहां देना पड़ेगा। वहीं इस बयान के बाद चुनाव आयोग ने तब अब्बास अंसारी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 24 घंटे तक प्रचार पर रोक लगा दी थी। 4 अप्रैल, 2022 को तत्कालीन एसआई गंगाराम बिंद की शिकायत पर शहर

कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें अब्बास उनके छोटे भाई उमर अंसारीऔर चुनाव एजेंट मंसूर के अलावा 150 अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया था। इन पर आईपीसी की धाराएं- 506 (धमकी), 171,एफ (चुनाव प्रक्रिया में बाधा), 186 (लोक सेवक को बाधित करना), 189 (लोक सेवक को धमकाना), 153 (साम्प्रदायिक वैमनस्य) और 120बी(षड्यंत्र) जैसी गंभीर धाराएं लगाई गई थीं। वहीं अब देखना होगा कि अब्बास अंसारी को हाईकोर्ट से राहत मिलती है. या फिर इस सीट पर उपचुनाव होगा। यह तो आने वाला वक्त ही तय करेगा। इस खबर में फिलहाल इतना ही।

घोसी उपचुनाव में उलटा था परिणाम

घोसी उपचुनाव में भी ये दिख चुका है। तब दारा सिंह चौहान बीजेपी प्रत्याशी और मंत्री के तौर पर मैदान में थे। सुभासपा के समर्थन के बावजूद उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। दूसरी वजह ये भी है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने यहां से अशोक सिंह को प्रत्याशी बनाया था वे दूसरे नंबर पर रहे थे अब्बास ने यह सीट 38,116 वोटों के अंतर से जीती थी। तब अशोक सिंह को 86,575 वोट मिले थे। वहीं बसपा के भीम राजभर भी 44 हजार के लगभग वोट ले गए थे। बसपा का इतिहास रहा है कि वह अमूमन उपचुनाव नहीं लड़ती। ऐसे में राजभर वोटों के समर्थन से बीजेपी के अशोक सिंह उपचुनाव में तगड़ी चुनौती दे सकते हैं।

उपचुनाव में दिखेगा नया समीकरण

उपचुनाव होने की हालत में मऊ सदर सीट से भाजपा के दावे के बीच सुभासपा के ओपी राजभर ने बड़ी हुंकार भरी है उनका साफ कहना है कि ये सीट मेरे विधायक की सदस्यता रद्द होने से खाली हुई है ऐसे में किसका दावा मजबूत है। यह तो आने वाले दिनों में स्पष्ठ हो जाएगा जाहिर सी बात है अब्बास सुभासपा के विधायक थे। वहीं अब उपचुनाव होगा तो सुभासपा ही यहां से प्रत्याशी उतारेगी। जहां तक भाजपा के दावे की बात है तो गठबंधन में मिलकर निर्णय लिए जाते हैं। आपको बता दें कि उपचुनाव की सूरत में भी मऊ सदर सीट पर अंसारी परिवार से ही कोई न कोई प्रत्याशी होगा। सुभासपा की अभी तक की राजनीति में भी ये देखा गया है कि उन्हें हमेशा से अंसारी परिवार से समर्थन मिला है। ऐसे में वे अपनी पार्टी का प्रत्याशी उतारेंगे। इसमें संदेह है।

अंसारी परिवार का दबदबा आज भी बरकरार

मऊ में अंसारी परिवार के दबदबे से आज भी कोई इनकार नहीं कर सकता। बाहुबली नेता मुख्तार अंसारी यहां से 5 बार विधायक रहे। उनके जेल जाने के चलते 2022 में अब्बास अंसारी ने यहां से चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। अंसारी परिवार को मऊ में हमेशा से ही अशोक सिंह की ओर से चुनौती पेश की जाती रही है। लगभग डेढ़ दशक से वे अंसारी परिवार से मोर्चा ले रहे हैं। अशोक सिंह ने न सिर्फ माफिया मुख्तार अंसारी और उसके परिवार के आतंक के खिलाफ मोर्चा खोला बल्कि तमाम सामाजिक-राजनीतिक दबावों के बावजूद कभी पीछे नहीं हटे। जिस तरह से प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में माफियाओं के खिलाफ व्यापक अभियान चल रहा है। उसे लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भी उत्साह है कि इस बार उपचुनाव में वे इस सीट पर अंसारी परिवार का वर्चस्व समाप्त करके ही दम लेंगे।यही कारण है कि अभी से भाजपा कार्यकर्ताओं में अशोक सिंह को प्रत्याशी बनाए जाने की पुरजोर मांग की गई है।. हालांकि पूरी तरह से गेंद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के पाले में है। भाजपा इस सीट पर उपचुनाव की सूरत में खुद का प्रत्याशी उतारेगी या गठबंधन के तहत सुभासपा को इस सीट पर प्रत्याशी उतारने देगी।

बीजेपी बिहार चुनाव से पहले मऊ में उपचुनाव कराने की रणनीति में जुटी

बीजेपी सूत्रों का कहना है कि प्रदेश सरकार बिहार चुनाव से पहले की मऊ में उपचुनाव कराने की रणनीति में जुटी है। यही कारण है कि सरकार ने इस सीट को रिक्त घोषित करने में गजब की तेजी दिखाई है। शनिवार को जैसे ही अब्बास अंसारी को सजा मिली। सरकार तुरंत हरकत में आ गई। संभावना जताई जा रही थी कि अब्बास इस सजा के खिलाफ सोमवार को हाईकोर्ट में अपील कर सकते है अगर वह सजा पर स्टे हासिल कर लेते तो सरकार इस सीट को रिक्त नहीं घोषित करा पाती। यही वजह रही कि सरकार ने एक दिन पहले यानी रविवार को

ही उसकी विधानसभा सदस्यता समाप्त करते हुए सीट रिक्त घोषित करने का आदेश जारी करा दिया। आपको बता दें कि विधानसभा की ओर से सीट रिक्तता की सूचना भारत निर्वाचन आयोग को भेज दी गई है, वहीं अब आयोग यहां उपचुनाव की तारीख घोषित करेगी। आयोग यहां बिहार विधानसभा चुनाव के साथ भी उपचुनाव करा सकती है, या फिर इसके पहले भी उपचुनाव घोषित कर सकती है, विधि विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अब्बास को हाईकोर्ट से सजा पर स्टे मिलता है तो उपचुनाव रुक सकता है। हाईकोर्ट को स्टे आदेश में इसका भी स्पष्ट उल्लेख करना होगा। वहीं अगर उपचुनाव होता है तो यूपी में मऊ एकमात्र ऐसा जिला होगा। जहां पर 5 साल में दो विधानसभा सीटों पर उप चुनाव होगा। इससे पहले घोसी सीट पर उपचुनाव हुआ था.. जिसमें बीजेपी हार गई थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ये क्या हो रहा है सीता सावित्री के देश में!

> समाज में पारिवारिक संरचना को हमेशा से आदर्श और स्थायित्व का प्रतीक माना गया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऐसे आपराधिक घटनाक्रमों की संख्या में वृद्धि हुई है, जहाँ विवाह जैसी पवित्र संस्था छल, द्वेष और हिंसा का माध्यम बन गई है। राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी जैसे मामले इस बात का प्रमाण हैं कि अब केवल स्त्रियाँ ही नहीं, बल्कि पुरुष भी घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं।

पिछले एक-दो सालों में प्रेमी के लिए शादीशुदा महिलाओं द्वारा अपने पति की हत्या करने की घटनाएं आए दिन सुनाई देने लगीं है। ये खासतौर से भारतीय समाज के लिये चिंता का विषय है। समाज को इसको रोकने के लिए विचार करना पड़ेगा। लोगों को सोचना पड़ेगा की सीता व सावित्री के देश में सोनम-मुस्कान क्यों बनती जा रही हैं लड़कियां। समाज में पारिवारिक संरचना को हमेशा से आदर्श और स्थायित्व का प्रतीक माना गया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऐसे आपराधिक घटनाक्रमों की संख्या में वृद्धि हुई है, जहाँ विवाह जैसी पवित्र संस्था छल, द्वेष और हिंसा का माध्यम बन गई है। राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी जैसे मामले इस बात का प्रमाण हैं कि अब केवल स्त्रियाँ ही नहीं, बल्कि पुरुष भी घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। हालाँकि सोनम का जुर्म अभी साबित नहीं हुआ है, और असलियत सामने आने में वक्त लग सकता है। मगर इसकी संभावना से इनकार भी नहीं किया जा सकता। हाल-फिलहाल में पत्नी द्वारा पतियों की हत्या या तलाक के नाम पर उत्पीडन के कई मामले समूचे देश की सुर्खियों में शामिल रहे हैं।

इन मामलों में कानून, प्रशासन और सरकारें अपनी भूमिका निभाती रहेंगी, मगर इस देश के प्रबुद्ध नागरिक होने के नाते हमारी मानवीय और नैतिक जिम्मेदारियों पर विमर्श की आवश्यकता है। मेघालय से लापता सोनम का एक पखवारे बाद गाजीपुर में मिलना उसे संदेह के घेरे में डाल चुका है। राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश में यदि उसकी संलिप्तता साबित हो जाती है तब विवाह जैसे पवित्र बंधन से युवाओं का भरोसा उठना स्वाभाविक है। सात फेरों के इस पावन रिश्ते के साथ ऐसा खिलवाड़ अमानवीय है। चाहे सौरभ सिंह हो या राजा रघुवंशी, इन मामलों से यह बात सा? है कि बात केवल अपराध कि वीभत्सता तक सीमित नहीं है। 36 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल अतुल सुभाष की आत्महत्या जिसके पीछे तलाक की प्रक्रिया और पत्नी द्वारा मानसिक प्रताड़ना कारण बताया गया, सोचने को मजबूर करती है कि आज की पीढ़ी की, विशेषकर स्त्रियों की मनोदशा या मानसिकता ऐसी क्यों होती जा रही है। वैवाहिक संबंधों में अविश्वसनीयता आज समाज के सामने एक बहुत बड़ी समस्या बन कर सामने खड़ा है। आधुनिक जीवनशैली में संवादहीनता से विश्वास और सम्मान का अभाव अब स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। 1 जनवरी से 31 मई 2025 के बीच पांच महीने में 1169 मामले फैमिली कोर्ट में पहुंचे हैं, जो 2024 की तुलना में 216 मामले अधिक हैं। इनमें तलाक के 700 व घरेलू हिंसा व भरण पोषण के 469 मामले हैं, जबकि 2024 में तलाक के 506 व भरण पोषण, घरेलू हिंसा के 447 फैमिली कोर्ट में आए थे। इन आँकड़ों से स्पष्ट है कि भारत जैसा देश जहाँ विवाह को जन्म-जन्मान्तर का सम्बन्ध माना जाता था, आजकल फैमिली क्राइसिस से गुजर रहा है और वैवाहिक संस्था की आस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समुद्र के पारिस्थितिकीय तंत्र पर गंभीर संकट

पंकज चतुर्वेदी

छोटे और हल्के होने के कारण नर्डल्स पानी पर तैरते हैं और समुद्री धाराओं, नालों तथा नदियों के माध्यम से दूर-दूर तक फैल जाते हैं। एक तो समय से पहले मानसून आ गया है, दूसरा इन दिनों अरब सागर में ऊंची लहरें और छोटे चक्रवात सक्रिय हैं। इन कारणों से ये प्लास्टिक छर्रे अपेक्षा से कहीं अधिक दूर तक फैल गए हैं। उल्लेखनीय है कि समुद्री कंटेनरों में भरे सामान को सुरक्षित रखने के लिए इस तरह के छर्रों का उपयोग किया जाता है। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के 42 तटीय गांवों में से 36 के समुद्र तटों पर प्लास्टिक के ये सफेद छर्रे, जहरीले कंकड़ बनते जा रहे हैं। इस प्रदूषण के चलते विशेष रूप से किलियूर तालुक के तटीय आवासीय क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जहां के सभी 16 गांव प्रभावित हुए हैं। कलकुलम और अगस्तीस्वरम तालुकों में भी क्रमश: 13 तटीय बस्तियों में से 10-10 में नर्डल्स देखे गए हैं। प्लास्टिक के ये टुकड़े मंगलवार को कन्याकुमारी शहर के निकट मणाकुड़ी नामक तटीय गांव तक पहुंच चुके हैं। इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि बीते गुरुवार को कोंकलेच के वानियाकुड़ी तट के पास समुद्र में बह आकर आए कंटेनर के टूटने से ये छर्रे बहे हैं।

इस कंटेनर को विशेषज्ञों की टीम ने बरामद कर कूथुकुड़ी में कस्टम विभाग को आगे जांच के लिए सौंप दिया। कन्याकुमारी के कलेक्टर अलागुमीना के मुताबिक अभी तक 858 बैग नर्डल्स एकत्रित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक का वजन लगभग 25 किलोग्राम है। अकेले सोमवार को ही 248 बैग एकत्र किए गए। इसके पहले, केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के तीन समुद्री तट-कोचकुहल्ली, वेली, थुंबा और वेट्टुक्काड — पर भी इसका प्रकोप देखा जा चुका है। इसके अलावा, कोल्लम और अलाप्पुझा के कई तटीय गांव भी इससे सफेद हो गए हैं, और आम लोग स्वयंसेवक के रूप में उनकी सफाई कर रहे हैं। प्लास्टिक के छोटे-छोटे छर्रे अब गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर रहे हैं। इनसे उत्पन्न प्रदूषण लंबे समय तक जहर के समान रहता है।

इनके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों में आवासीय पर्यावरण का प्रदूषण, इनके माइक्रो और नैनो प्लास्टिक में टूटना और खाद्य श्रृंखला में प्रवेश करना शामिल है। मैंग्रोव, प्रवाल भित्तियां और कीचड़ वाले तट जैसे तटीय पारिस्थितिकी तंत्र विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्लास्टिक के कण जड़ों को ढक सकते हैं और ऑक्सीजन के आदान-प्रदान को रोक सकते हैं, जिसे पारिस्थितिकविद 'पारिस्थितिक मृत' क्षेत्र कहते हैं-ऐसे क्षेत्र जहां जीवन वापस आने के लिए संघर्ष करता है। समुद्री जीव जैसे व्हेल, मछलियां और कछुए प्लास्टिक के कचरे को अपना शिकार समझकर खा लेते हैं। इस प्रकार पेट में प्लास्टिक भरे होने की वजह से वे अंदरूनी चोटों का शिकार होते हैं। यह माइक्रोप्लास्टिक जलीय जीवों के शरीर के अंदर प्रवेश कर जाता है और फिर जलीय जीवों के माध्यम से हमारी फूड चेन का हिस्सा बन जाता है। जिस जीव के शरीर में ये सूक्ष्म कण जमा हो जाते हैं, यदि उसे कोई इंसान खाएगा, तो वही प्लास्टिक उसके अंगों में भी प्रवेश कर सकता है। हाल ही में मुंबई के समुद्री तटों और श्रीलंका से सटी हिन्द महासागर की सीमा पर प्लास्टिक नर्डल्स का आतंक देखा जा चुका है, और कई तकनीकें इसके समुद्र में गहरे प्रभाव को रोकने में असमर्थ रही हैं। इस खतरे को देखते हुए केरल और तमिलनाडु सरकारों ने कंटेनर के आसपास के इलाकों में मछली पालन पर रोक लगा दी है, जो एक बड़ा आर्थिक और सामाजिक तनाव का कारण बन रहा है। फिलहाल भारत के दक्षिणी समुद्री तट पर मंडरा रहा यह संकट पर्यावरण के साथ-साथ लाखों लोगों की रोजी-रोटी से भी जुड़ा है। प्लास्टिक कचरे के कारण हाल ही में उस इलाके से पकड़ी गई मछलियों के खरीदार नहीं मिल रहे। विदित हो कि केरल में 2022-23 में कुल समुद्री उत्पादन 6.90 लाख टन

था, जो 2023-24 में घटकर 5.8 लाख टन हो गया। इस कमी के बावजूद, केरल अभी भी समुद्री मछली पकड़ने में देश में दूसरे स्थान पर है। यह मछली प्रजनन का चरम काल है और इस समय प्लास्टिक का प्रदूषण इस पर बुरा असर डालता है।

उल्लेखनीय है कि नर्डल्स के दाने मुख्य रूप से पॉलीथीन, पॉलीप्रोपाइलीन, पॉलीस्टाइरीन और पॉलीविनाइल क्लोराइड जैसे विभिन्न पॉलिमरों से निर्मित होते हैं। बुनियादी पॉलिमर के अलावा, नर्डल्स में हानिकारक रसायनों का एक मिश्रण होता है, जिसमें थैलेट्स, बिस्फेनॉल ए (बीपीए), लौ रिटार्डेंट, ऑर्गेनोटिन, भारी धातुएं और पीएफएएस शामिल हो सकते हैं। स्पष्ट हो चुका है कि ये 'गायब नहीं होते' और टूटने में 100 से 1,000 साल लगते हैं। सारी दुनिया के समुद्र इसके कारण हैरान और परेशान हैं।

पाकिस्तानी क्रिप्टो करेंसी के जरिये टेरर फंडिंग

पुष्परंजन

एक बिटकॉइन को माइन करने के लिए कितनी बिजली की ज़रूरत होगी? औसतन, 1 बीटीसी को माइन करने में लगभग 6,400,000 किलोवाट-घंटे बिजली की खपत होती है। यह बिजली की खपत दूसरी, तीसरी, चौथी बिटकॉइन माइनिंग में बढ़ती चली जाती है। गुज़िश्ता साल पाकिस्तान 6,247 मेगावाट बिजली की कमी का सामना कर रहा था। देश भर में बिजली की मांग बढ़कर 26,500 मेगावाट हो गई थी, जबकि उत्पादन क्षमता 20,253 मेगावाट है। अब सौर ऊर्जा उत्पादन कर इसका उपाय ढूंढ़ा जा रहा है। भारत द्वारा पानी पर पाबन्दी लगाने की घोषणा से पाकिस्तान, ऊर्जा के मामले में कोढ़ में खाज की हालत से गुजरने लगा है। ऐसे में उसने बिटकॉइन को माइन करने की जो नई ज़िम्मेदारी ली है, उससे पूरी दुनिया हैरान है। पाकिस्तान बिटकॉइन के वास्ते बिजली लाएगा कहां से? यह सबसे बड़ा सवाल है।

पाकिस्तान ने एक राष्ट्रीय क्रिप्टो रिजर्व स्थापित करने की योजना का अनावरण किया है, जिससे यह देश राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में डिजिटल मुद्राओं को अपनाने वाला पहला देश बन गया है। पाकिस्तान ने चीनी मूल के कनाडाई बिज़नेसमैन छांगफेंग चाओ जो, 'बिनेंस' कंपनी के संस्थापक और उसके पूर्व सीईओ को पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल (पीसीसी) का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया है। छांगफेंग चाओ जिन्हें आमतौर पर 'सीजेड' के शॉर्ट नेम से जाना जाता है, ने अमेरिका में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद, नवंबर 2023 में सीईओ के पद से इस्तीफा दे दिया था। अप्रैल, 2024 में उन्हें चार महीने जेल की सजा सुनाई गई। वो जेल गए, और उसी साल सितंबर तक उन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली। अब इस ब्लैक लिस्टेड, आपराधिक छवि वाले शख्स की देखरेख में ट्रंप की बिटकॉइन कंपनी ने पाकिस्तान से समझौता किया है, तो समझिये कि कितना बड़ा खेल इस इलाक़े में होने जा रहा है।

खबर यह भी आई कि ब्रिटिश-पाकिस्तानी उद्यमी और टेक्नोक्रेट बिलाल बिन साकिब के नेतृत्व में पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल विदेशी बिटकॉइन माइनर्स और एआई डेटा भंडारण केंद्र निवेशकों को आकर्षित करने के लिए 2,000 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली संयंत्र क्षमता की पेशकश करेगी। ट्रम्प की मोनोपली वाली बिटकॉइन मुद्रा कंपनी 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल इंक' ने 26 अप्रैल को पीसीसी के साथ एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान में अपने ब्रांड का बिटकॉइन लॉन्च करना है। साकिब, जिन्हें पिछले महीने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा राज्यमंत्री का दर्जा दिया गया था, ने 29 मई को बिटकॉइन सम्मेलन में इस पहल की घोषणा की, जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प के पुत्र एरिक ट्रम्प और 'डब्ल्यूएलएफआई' के सीईओ ज़ाचरी विटकॉफ, अमेरिकी राष्ट्रपति के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ के बेटे शामिल हुए। अपने भाषण में, साकिब ने कहा कि पाकिस्तान ने एक राष्ट्रीय बिटकॉइन वॉलेट स्थापित किया है, यह बिक्री या सट्टेबाजी के लिए नहीं, बल्कि एक संप्रभु रिजर्व के रूप में दीर्घकालिक भरोसा पैदा करेगा।' पाकिस्तान के वित्तमंत्री ने कहा कि सरकार 'भविष्य के लिए तैयार वित्तीय बुनियादी ढांचा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो वित्तीय स्थिरता और नियामक अनुपालन बनाए रखते हुए नवाचार का समर्थन करता है।'

वित्तीय विश्लेषक 'फिनटेक' के विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा शुरू किए गए रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व मॉडल को इतनी जल्दी अपनाने वाले पाकिस्तान को सफल होने के वास्ते कई चुनौतियों को पार करना होगा। इनमें प्रतिस्पर्धी कीमतों की पेशकश से लेकर, प्रमुख ऋणदाता 'आईएमएफ' की आपत्तियों को दूर करना शामिल है। लेकिन जब ट्रम्प हैं, तो इस बाधादौड़ को पाकिस्तान पार कर ही लेगा। मार्क्वेट यूनिवर्सिटी में वित्त के एसोसिएट प्रोफेसर डेविड क्राउज़, जिन्होंने हाल ही में 'डब्ल्यूएलएफ' का एक अध्ययन प्रकाशित किया है, ने कहा, 'क्रिप्टो माइनिंग के लिए पावर ग्रिड का दबाव झेलना आसान नहीं है। क्रिप्टोकरेंसी बाजार की अस्थिरता भी एक हाई रिस्क को आमंत्रित करती है। अगर बिटकॉइन के मूल्य में गिरावट आती है या खनन अस्थिर साबित होता है, तो यह रणनीतिक भंडार, भरभरा कर गिर जायेगा।' लेकिन, 'बिटकॉइन एसोसिएशन पाकिस्तान' के पार्टनर, लुकमान खान अधिक आशावादी दिखने लगे। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद दो हज़ार मेगावाट अप्रयुक्त बिजली को रिडाइरेक्ट करके लगभग एक अरब डॉलर वार्षिक राजस्व अर्जित कर सकता है।

दूसरे शब्दों में कहें, तो यह क्षति के नाम पर चोरी का माल है। अब, जब बिटकॉइन वाले खनन करेंगे, यही बिजली रेवेन्यू देने लगेगी।' लुकमान खान ने कहा कि इस समय 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 10,000 बिटकॉइन जमा करके, पाकिस्तान 'भविष्य के मुद्रा झटकों के खिलाफ अपनी बैलेंस शीट को स्थिर कर सकता है, यह ठीक वैसे ही है, जैसे सोने के भंडार। एक दशक में क्रिप्टो अर्थव्यवस्था पाकिस्तान के लगभग 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर के छोटे सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ावा दे सकती है।' बहरहाल, बिटकॉइन खनन के लिए पाकिस्तान का वर्तमान बिजली उत्पादन शुल्क 7 अमेरिकी सेंट प्रति किलोवाट घंटा है, जो टेक्सास जैसे प्रमुख खनन स्थलों के 1 से 3 अमेरिकी सेंट प्रति किलोवाट घंटा से कहीं अधिक है। कराची स्थित वित्तीय सेवा फर्म केट्रेड के अध्यक्ष अली फरीद ख्वाजा ने कहा कि पाकिस्तान सरकार को एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल अपनाना पड़ सकता है।

फ्रूट योगर्ट बाउल

फ्रूट योगर्ट तैयार करने के लिए सबसे पहले एक कटोरी दही में लेकर उसमें अपने बच्चे से पसंदीदा फल काटकर डालें। दही में चीनी और थोड़ी सी चीनी या शहद मिक्स करें। चाहें तो इसमें चिया सीड्स डाल दें। रंग-बिरंगे फलों के कारण बच्चे इसे देखकर ही खुश हो जाते हैं। इसमें आप अंगूर, संतरा, सेब, केला या अन्य फल भी डाल सकते हैं।

मैंगो दही स्मूदी

गर्मी के मौसम में दही के साथ-साथ आम भी मिलता है। ऐसे में लोग आम से तरह-तरह की डिश बनाकर खाते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक आम सभी को खूब पसंद आते हैं। इन दोनों का ही सेवन शरीर को काफी फायदा पहुंचाता है। आम से बनी स्मूदी खाने में बहुत स्वादिष्ट लगती है। आम से बनी स्मूदी पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। आम स्मूदी से शरीर को प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और कार्बोहाइड्रेट मिलता है। मैंगो स्मूदी पीने से गर्मी में राहत मिलती है। फेफड़ों की बीमारी, अल्सर और लिवर के लिए भी ये फायदेमंद है। इसको बनाने के लिए आपको आम को छीलकर ब्लेंड कर लेना है। उसके बाद उसमें दही मिलाकर एक झटपट स्मूदी तैयार करनी है। आखिर में इसमें थोड़ा सा शहद और काजू बादाम डालें और बस तैयार है स्वादिष्ट स्मूदी।

दही सैंडविच

जब ब्रेकफास्ट की बात आती है, तो बहुत सी चीजें हैं जो आप जल्दी से बना सकते हैं। हालांकि, हर रोज उपमा, पोहा, पराठा और चाय-ब्रेड के साथ, दोहराए जाने वाले फ्लेवर हमारे टेस्ट के लिए उबाऊ हो सकते हैं। तो, आप एक नई टेस्टी और हेल्दी रेसिपी तैयार कर सकते है जिसे दही सैंडविच कहते हैं। इस रेसिपी का कम्फर्ट टेस्ट एक बेहतरीन ब्रेकफास्ट बनाता है। ये सैंडविच खाकर आपका बच्चा तो खुश हो जाएगा और वो इसे दोबारा भी मांगेगा। इसे बनाने के लिए थोड़े से दही में खीरा, टमाटर और उबले आलू मिलाकर स्प्रेड बना लें और ब्रेड पर लगाएं। इसे बनाने में आप ब्राउन ब्रेड इस्तेमाल कर सकती हैं।

दही भीषण गर्मी में खाने के हैं कई फायदे

ये खाकर बच्चे भी चट कर जाएंगे प्लेट

गर्मी के मौसम में हर डॉक्टर भी लोगों को दही खाने की सलाह देते हैं। दही को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि दही के सेवन से व सिर्फ शरीर ठंडा रहता है, बल्कि इसके सेवन से पाचन तंत्र भी मजबूत बना रहता है। दही खाने में काफी अच्छा लगता है लेकिन इसके बावजूद कई बच्चे इसके सेवन से बचते हैं। यदि आपके घर पर भी ऐसा बच्चा है, जिसे दही खाना पसंद नहीं है तो उन्हें सिंपल दही खिलाने की जगह अलग तरह से उन्हें दही परोस सकते हैं। बच्चों को दही खिलाने के पांच अलग-अलग तरीके हैं। इन तरीकों से आपका बच्चा दही पूरी तरह से चट कर जाएगा। अगर आप गर्मी के मौसम में रोजाना एक कटोरी दही का सेवन करते हैं, तो शरीर को कई लाभ मिल सकते हैं। क्योंकि दही में प्रोटीन, कैल्शियम, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी6 और विटामिन बी12 जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में मदद कर सकते हैं। लेकिन दही का सही समय पर सेवन करना भी जरूरी है।

फ्लेवर योगर्ट डिप

किसी भी पकौड़े या फ्राइज के साथ साधारण चटनी परोसने की जगह आप फ्लेवर योगर्ट डिप तैयार कर सकती हैं। इसके लिए दही में मिंट या धनिया की चटनी मिलाकर डिप बनाएं। इसे बच्चे बेहद चाव से खाएंगे।

दही कुल्फी

दूध से आइसक्रीम बनाकर तो हर किसी ने खाई होगी, आप अपने बच्चे के लिए दही की आइसक्रीम तैयार करें। कुल्फी एक स्वादिष्ट भारतीय मिठाई है, जिसकी उत्पत्ति मुगल साम्राज्य के समय हुई थी। सम्राट जहांगीर की पत्नी के मीठे की लालसा को संतुष्ट करने के लिए कुल्फी बनाई गई थी। इस प्रकार ये कुल्फी के नाम से प्रसिद्ध हो गया और समय के साथ लोगों ने इसमें अलग-अलग फ्लेवर ऐड किए, और अपने-अपने टेस्ट बड्स के अनुसार इसे एंजॉय करने लगे। इसे बनाने के लिए दही, थोड़ा शहद, वेनिला एसेंस और मनपसंद फल का पल्प मिलाकर मोल्ड में जमाएं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है।

हंसना मना है

प्यार को मत छुपाओ उसे जरुरत है जताने की, अपनी प्रतिभाओं को मत छुपाओ उन्हें जरुरत है बढ़ाने की, अब और परफ्यूम मत लगाओ तुम्हें जरुरत है नहाने की।

तु चांद मांग मैं चांद दे दूं, तु रात मांग मैं रात दे दूं, तु दिल मांग मैं दिल दे दूं, तु प्यार मांग, क्या यार, भीक मांगने की भी एक लिमिट होती है।

तुम क्या जानो गम क्या होता है? तुम क्या जानो गम किसे कहते है? तुम क्या जानो गम क्या चीज होती है? तुमने तो हमेशा फेवीकोल यूज किया है!

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे आईएलयू कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

इतनी हसीन हैं आप, खुद को दुनिया की नजरों से बचाया करो! आखों में काजल लगाना काफी नहीं! गले में लिंबु-मिर्ची भी लटकाया करो।

मां : उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा : तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

कहानी | आखिरी उपदेश

गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहे शिष्यों में आज काफी उत्साह था, उनकी बारह वर्षों की शिक्षा आज पूर्ण हो रही थी और अब वो अपने घरों को लौट सकते थे। गुरु जी भी अपने शिष्यों की शिक्षा-दीक्षा से प्रसन्न थे और गुरुकुल की परंपरा के अनुसार शिष्यों को आखिरी उपदेश में कहा, आप सभी एक जगह एकत्रित हो जाएं, गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए सभी शिष्य एक जगह एकत्रित हो गए। गुरु जी ने अपने हाथ में कुछ लकड़ी के खिलौने पकड़े हुए थे, उन्होंने शिष्यों को खिलौने दिखाते हुए कहा, आप को इन तीनों खिलौनों में अंतर ढूंढने हैं। तीनो लकड़ी से बने बिलकुल एक समान दिखने वाले गुड्डे थे। सभी चकित थे की भला इनमे क्या अंतर हो सकता है? तभी किसी ने कहा, अरे, ये देखो इस गुड्डे में एक छेद है। यह संकेत काफी था ,शिष्यों बोले, गुरु जी इन गुड्डों में बस इतना ही अंतर है कि एक के दोनों कान में छेद है दूसरे के एक कान और एक मुंह में छेद है और तीसरे के सिर्फ एक कान में छेद है, गुरु जी बोले, बिलकुल सही और उन्होंने धातु का एक पतला तार देते हुए उसे कान के छेद में डालने के लिए कहा। शिष्यों ने वैसा ही किया। तार पहले गुड्डे के एक कान से होता हुआ दूसरे कान से निकल गया दूसरे गुड्डे के कान से होते हुए मुंह से निकल गया और तीसरे के कान में घुसा पर कहीं से निकल नहीं पाया। तब गुरु जी ने शिष्यों से गुड्डे अपने हाथ में लेते हुए कहा , प्रिय शिष्यों, इन तीन गुड्डों की तरह ही आपके जीवन में तीन तरह के व्यक्ति आयेंगे। पहला गुड्डा ऐसे व्यक्तियों को दर्शाता है जो आपकी बात एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल देंगे ,आप ऐसे लोगों से कभी अपनी समस्या साझा ना करें। दूसरा गुड्डा ऐसे लोगों को दर्शाता है जो आपकी बात सुनते हैं और उसे दूसरों के सामने जा कर बोलते हैं, इनसे बचें और कभी अपनी महत्त्वपूर्ण बातें इन्हें ना बताएं। और तीसरा गुड्डा ऐसे लोग है जिनपर आप भरोसा कर सकते हैं और उनसे विचार- विमर्श कर सकते हैं, सलाह ले सकते हैं, यही वो लोग हैं जो आपकी ताकत है और इन्हें आपको कभी नहीं खोना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा।

तुला व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।

वृषभ राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेंगे। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

मिथुन किसी व्यक्ति की बातों में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

कर्क वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मकर व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

सिंह आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा।

कुम्भ नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मीन रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म मेकिंग बदल गई है, अब हमारी मानसिकता भी बदलनी चाहिए : डिसूजा

जेनेलिया डिसूजा जल्द ही अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह आमिर खान की पत्नी का किरदार निभाएंगी। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस का शादी के बाद बॉलीवुड द्वारा साइडलाइन किए जाने पर दर्द छलका है। इस दौरान उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने आमिर खान की फिल्म के लिए तीन बार ऑडिशन दिया था। जेनेलिया ने फिल्मी मंत्र मीडिया को दिए एक इंटरव्यू के दौरान बताया, जब लोगों को पता चला कि मैं सितारे जमीन पर कर रही हूँ, तो सभी ने कहा, हे भगवान! कितनी किस्मतवाली हो! तुम आमिर खान की फिल्म कर रही हो! मैंने कहा, बेशक, यह आमिर सर की ग्रेटनेस है कि उन्होंने मुझमें कुछ देखा। बेशक, उन्होंने मेरा ऑडिशन लिया। लेकिन आप भी ऐसा कर सकते हैं, है न? आप मुझे कोई भूमिका भी दे सकते हैं। जेनेलिया ने आगे शादी के बाद उन्हें इस तरह के किरदार ना मिलने पर बॉलीवुड की आलोचना भी की और कहा, लेकिन आप नॉर्म्स के अनुसार ही आगे बढ़ते हैं। शायद आपको लगता है कि मैं शादीशुदा हूँ, इसलिए मुझे इस किरदार की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि फिल्म मेकिंग बदल गई है, और इसलिए हमारी मानसिकता भी बदलनी चाहिए। एक्ट्रेस ने आगे ये भी कहा, यह बहुत जरूरी है कि अगर आप एक निश्चित उम्र का किरदार चाहते हैं, तो आपको उसी उम्र के किसी व्यक्ति को कास्ट करना चाहिए। जब हम किसी ऐसे अभिनेता को कास्ट करते हैं जो मेरे द्वारा निभाए गए किरदार से बहुत छोटा है, तो वे उस किरदार की छोटी-छोटी बातों को नहीं समझ पाते। सही किरदार चुनना जरूरी है। और मुझे उम्मीद है कि अवसर सभी को मिलेंगे। 2018 की स्पैनिश फिल्म कैंपियोन्स के हिंदी एडेप्टेशन, 'सितारे जमीन पर' में आमिर और जेनेलिया दोनों ही 40 के दशक की शुरुआत के किरदार निभा रहे हैं। हालाँकि आमिर अब 60 साल के हो चुके हैं, लेकिन उन्होंने उम्र के अंतर को दरकिनार कर दिया और कहा कि आज मॉर्डन टेक्नोलॉजी और दर्शकों के खुलेपन ने एज गैप के टैबू को खत्म कर दिया है। आर.एस. प्रसन्ना (शुभ मंगल सावधान) द्वारा निर्देशित, सितारे जमीन पर में आमिर खान लंबे ब्रेक के बाद बड़े पर्दे पर कमबैक कर रहे हैं।

अब 'आशिक अरबपति' में जलवा बिखेरेंगी सना सुल्तान

सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज 'कुटिंग्स' के लिए चुना गया है। वह कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति' में नजर आएंगी। हाल ही में सना सुल्तान ने सीरीज को लेकर खुलकर बात की और बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी।

सीरीज के बारे में सना सुल्तान ने बताया, 'कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में शामिल हैं।' फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए सना ने बताया, 'मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे।'

कैसा है सना का रोल?

सना ने आगे बताया, 'मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।'

ऑफर मिलते ही भर दी थी हामी

एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह सीरीज ऑफर हुई तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था। उन्होंने बताया, 'खुद एक कंटेंट क्रिएटर होने के नाते मैं रील और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के क्रेज को समझती हूं। इसलिए, मुझे इसकी खूबियों के बारे में अच्छी तरह से पता था।'

बेजोड़ हैं क्वालिटी और स्टोरी

सना सुल्तान ने आगे कहा, 'लोग इसे देखेंगे तो पसंद करेंगे। क्योंकि, इसकी क्वालिटी और स्टोरी दोनों बेजोड़ हैं। यह घर पर शूट किया गया एक रील नहीं, यह एक अच्छी तरह से निर्मित शो है, जो एक छोटे, वर्टिकल फॉर्मेट में एक फिल्म देखने जैसा अनुभव देगा।'

डंके की चोट पर नोट छाप रही 'हाउसफुल 5'

अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी और जैकलीन फर्नांडीज स्टारर 'हाउसफुल 5' बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है। फिल्म को दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी के साथ अपने पहले वीकेंड में बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म करने के बाद इसने फर्स्ट मंडे टेस्ट में भी टॉप किया। चलिए यहां जानते हैं 'हाउसफुल 5' की पांचवें दिन यानी पहले मंगलवार को कितनी कमाई रही?

दो एंडिंग वाली तरुण मनसुखानी निर्देशित 'हाउसफुल 5' का क्रेज दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। यहां तक कि इस कॉमेडी थ्रिलर को देखने के लिए वीकडेज में भी खूब ऑडियंस सिनेमाघरों में पहुंच रही है। इसी के साथ 'हाउसफुल 5' छप्परफाड़ कमाई कर रही है। इसने रिलीज के चार दिन में ही 100 करोड़ी बनकर इतिहास रच दिया है। वहीं अब

पांचवें दिन भी फिल्म ने डबल डिजिट में ही कमाई की है। इन सबके बीच 'हाउसफुल 5' के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक 'हाउसफुल 5' ने पहले दिन 24 करोड़ से खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म ने 31 करोड़ कमाए और तीसरे दिन का कलेक्शन 32.5 करोड़ रुपये रहा। वहीं चौथे दिन अक्षय कुमार स्टारर फिल्म की कमाई 13 करोड़ रुपये रही। वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'हाउसफुल 5' ने 5वें दिन यानी पहले मंगलवार को 10.75 करोड़ का कारोबार किया है। इसी के साथ 'हाउसफुल 5' की पांच दिनों की कुल कमाई अब 111.25 करोड़ रुपये हो गई है।

'हाउसफुल 5' बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। ये फिल्म साल 2025 की टॉप 10 फिल्मों में केसरी चैप्टर 2 को मात देकर पांचवी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। वहीं अब इसने पांचवें दिन सलमान खान स्टारर सिकंदर को भी मात दे दी। 'हाउसफुल 5' ने 111.25 करोड़ के कलेक्शन के साथ सिकंदर के भारत में लाइफ टाइम नेट कलेक्शन 110.1 करोड़ को मात दे दी है। इसी के साथ ये साल की चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। अब ये स्काई फोर्स को मात देने की ओर तेजी से बढ़ रही है।

अजब-गजब | इस बाज का वार करने का है अजीब तरीका

एक बाज से पूरा का पूरा गांव है परेशान घरों और लोगों पर करता है हमला

जानवर तो कई बार इंसानों पर हमला कर ही देते हैं। पर क्या कभी पंछी इंसानों पर हमला करते हैं। तो जी हां, बिलकुल ऐसे बहुत से किस्से हो चुके हैं जहां पक्षियों के झुंड ने इंसानों पर हमला किया है। लेकिन आपने कभी किसी एक पक्षी का किसी गांव पर हमला करने के बारे में सुना है? नहीं सुना होगा। पर ब्रिटेन के एक गांव में लोग एक बाज (Dive bombing buzzard) से परेशान हैं। वह एक बार स्कूल के बच्चों को बाहर निकलने से रोक चुका है। और कई घरों के खिड़कियों के शीशों को तोड़ने की कोशिश करता रहता है। हाल ही में उसका एक वीडियो चर्चा में जिसमें वह एक घर की खिड़की तोड़ने की कोशिश कर रहा है।

यह डाइव बॉम्बिंग बुजार्ड खास तरह के बुजार्ड यानी बाज की एक प्रजाति है। बुजार्ज यूरोप के बड़े शिकारी जानवर होते हैं। यह बुजार्ड खतरों को देखकर हवा में, बहुत ही तेजी से नीचे की ओर गोता लगाता दिखता है। यहां तक कि कई बार ये बाजखतरे पर उसी गति से टूट भी पड़ता है जिससे लगता है कि किसी तरह का बम गिर गया है इसीलिए

इसे गोता लगाने वाला बम गिराने वाला बुजार्ड कहा जाता है।

इस बाज ने ब्रिटेन के हैवरिंग एट बोवर गांव में तहलका मचा रखा है। उसका यह वीडियो यहां के निवासू निक वुडगेट ने बीते 20 मई को बनाया था जिसमें वह एक घर की बंद खिड़की को बार बार तोड़ने की कोशिश करता दिख रहा है। निक और उनकी साथी यवोन को इस बात की हैरानी हो रही थी कि कहीं बाज़ को किसी तरह की चोट तो नहीं लग रही थी। डाइव बॉम्बिंग बुजार्ड की यही खास बात होती है वह खतरे पर भी तेजी से हमला करता है और इस बात की परवाह नहीं करता है कि कहीं इससे उसे खुद ही चोट ना लग जाए। कई बार तो देखने वालों को शक हो जाता है कि कहीं ये आत्महत्या तो नहीं कर रहा है। वीडियो में बाज पर बाद में कौवे भी हमला करते दिखे। इतना ही नहीं इस बाज ने कई इंसानों पर हमला किया है। 35 साल के टॉमस रियान शॉबरी के रास्ते पर जा रहे थे तब इसने उन पर झपट्टा मारा कर उनका चेहरा लहुलुहान कर दिया था। टॉमस उस समय जॉगिंग कर रहे थे, जब उन पर बाज ने चार बार हमला किया था। बाज ने उन्हें करीब एक किलोमीटर तक दौड़ाया भी था।

गांव के लोग मार्च के अंत के समय से दहशत में हैं जब से यह बाज उन्हें तंग कर रहा है। लोगों ने इसे ब्रेंडा नाम दिया है। इसे ने यहां के प्राइमरी स्कूल के बच्चों को भी हफ्तों तक घर के अंदर ही रहने पर मजूबर कर रखा है। दूसरी तरफ बुजार्ड को कानूनी तौर पर संरक्षण भी मिला हुआ है और इसे मारने की इजाजत भी नहीं है। इसलिए हैवर काउंसिल भी इस समस्या के हल के लिए ज्यादा कुछ करने की स्थिति में नहीं है।

शायद ही कोई जानता होगा सही जवाब! एयर होस्टेस की सीट बेल्ट, यात्रियों की बेल्ट से अलग क्यों होती है?

अगर आप कभी हवाई यात्रा के दौरान अपनी स्क्रीन से नज़र हटाकर चारों तरफ ध्यान से देखें, तो एक चीज़ जरूर नोटिस करेंगे- फ्लाइट अटेंडेंट्स यानी एयर होस्टेस की सीट बेल्ट, जो यात्रियों की बेल्ट से काफी अलग होती है। यात्रियों को जहां सिर्फ कमर के चारों ओर एक पट्टी मिलती है, वहीं एयर होस्टेस 'X' शेप वाली बेल्ट पहनती हैं, जो कंधों से लेकर कमर तक जाती है। अब सवाल ये उठता है- ऐसा क्यों? एक Reddit यूज़र ने भी यह सवाल 'NoStupidQuestions' सबरेडिट में पूछा- फ्लाइट अटेंडेंट्स की सीट बेल्ट 'ड्ड' शेप की क्यों होती है, जबकि यात्रियों को सिर्फ कमर वाली बेल्ट मिलती है? इस सवाल का जवाब एक पूर्व फ्लाइट अटेंडेंट ने काफी विस्तार से दिया और बताया कि इसका कारण यात्रियों की समझदारी नहीं बल्कि बैठने की सीटों की संरचना है। पूर्व एयर होस्टेस के अनुसार, केबिन क्रू की सीटें वैसे नहीं लगाई जातीं जैसे यात्रियों की होती हैं। यात्रियों की सीटें आमतौर पर प्लेन के फ्लोर में अच्छे से बोल्ट की हुई होती हैं, लेकिन फ्लाइट अटेंडेंट्स की सीटें अक्सर फोल्डेबल होती हैं, और इन्हें दीवार या कैबिन संरचना में जोड़ा जाता है। यही वजह है कि टेकऑफ़ या लैंडिंग के समय ये सीटें ज्यादा हिलती-डुलती हैं। उनके अनुसार, हमारे लिए ये ड्ड बेल्ट इसलिए ज़रूरी होती है क्योंकि टेकऑफ और लैंडिंग पर सीट इतनी उछलती थी कि अगर ये एक्स्ट्रा सेफ्टी हार्नेस न हो तो गिरने का डर रहता है। यह एक्स्ट्रा बेल्ट एयर होस्टेस के लिए जरूरी है क्योंकि आपात स्थिति में वही क्रू मेंबर्स यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालते हैं, इसलिए उनका सुरक्षित रहना प्राथमिकता होती है। Aerosavvy.com के मुताबिक, यह बेल्ट उसी तरह से सुरक्षा देती है, जैसे कि यात्रियों के सामने वाली सीटें अचानक ब्रेक लगने या क्रैश के समय उन्हें आगे गिरने से रोकती हैं। चूंकि फ्लाइट अटेंडेंट्स की सीटों के सामने कोई और सीट नहीं होती, इसलिए 'ड्ड' बेल्ट ही उन्हें सुरक्षित रखती है। एविएशन एक्सपर्ट Marina Efthymiou ने Metro को बताया कि अगर यात्रियों को ऐसी 'ड्ड' शेप बेल्ट दी जाए तो वे शायद उसे पहनकर नहीं बैठ पाएंगे। इसका कारण है कि वह बेल्ट पहनना और खोलना थोड़ा जटिल होता है और यात्रियों के लिए असुविधाजनक साबित हो सकता है। यही वजह है कि यात्रियों को सरल कमर बेल्ट दी जाती है, जिसे तुरंत पहना और हटाया जा सके। जहां फ्लाइट अटेंडेंट्स की सुरक्षा व्यवस्था लोगों को आकर्षित करती है, वहीं प्लेन से जुड़ी कुछ 'छुपी हुई' चीजें भी लोगों को चौंकाती हैं। हाल ही में एक फ्लाइट अटेंडेंट ने एक ऐसा 'सीक्रेट बटन' दिखाया जो अधिकतर लोग अनदेखा कर देते हैं।

बीजेपी एमएलए के सहायता केन्द्र को मंत्री ने क्रेन से हटवाया

झारखंड के शेख भिखारी मेडिकल कालेज का मामला

» भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद बोले- यह मरीजों और उनके परिजनों के हितों पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग स्थित शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में स्थानीय भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद की ओर से मरीजों की मदद के लिए स्थापित संजीवनी कुटीर नामक कार्यालय को बुधवार को प्रशासन ने क्रेन के जरिए बलपूर्वक हटा दिया।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इस 'कुटीर' को अस्पताल परिसर में अराजकता और नशेड़ियों का अड्डा करार देते हुए हटाने का आदेश दिया था। इस कार्रवाई को लेकर राज्य में आरोप-प्रत्यारोप की सियासत गर्म हो गई है। मंत्री ने जहां इसे उचित कानूनी कार्रवाई बताया है वहीं भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने इसे मरीजों और उनके परिजनों के हितों पर हमला करार दिया है। हजारीबाग सदर क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के परिसर में संजीवनी कुटीर नामक यह सहायता केंद्र 4 जनवरी को शुरू किया था। 24 घंटे कार्य करने वाले इस स्वास्थ्य केंद्र में स्वैच्छिक आधार पर कई युवा सेवा दे रहे थे। विधायक का कहना है कि इस केंद्र पर तैनात स्वयंसेवक अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों की सहायता करते थे। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को कई बार पता नहीं होता था कि उन्हें किस विभाग में और किस काउंटर पर जाना है। ऐसे में कागजी प्रक्रियाएं पूरी कराने से लेकर अस्पताल में कार्यरत विभिन्न विभागों में मरीजों का इलाज करवाने में स्वयंसेवक हमेशा खड़े रहते थे।

विधायक और मंत्री आमने-सामने

प्रशासन बोला- नशेड़ियों का अड्डा बन रहा था सहायता केन्द्र

विधायक का दावा

विधायक का दावा है कि पिछले छह महीने में इस केंद्र से करीब 6,000 से अधिक जरूरतमंदों को इलाज में मदद पहुंचाई गई थी, लेकिन मंत्री ने राजनीतिक दुर्भावना से ग्रस्त होकर इसे हटवा दिया है। दूसरी तरफ राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इसे सरकारी अस्पताल में अतिक्रमण बताते हुए कहा था कि संजीवनी कुटीर के नाम पर भाजपा विधायक राजनीति कर रहे हैं।

मंत्री जी का कहना

इस कुटीर में भाजपा विधायक और सांसद ने अपनी बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगा रखी हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने यह भी कहा कि उन्हें कई शिकायत मिली थीं कि रात में यहां अवांछित तत्वों और नशेड़ियों का अड्डा लगता है। ये लोग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के कामकाज में बाधा पैदा कर रहे हैं। इसी कारण इसे हटाने का आदेश दिया।

13 जून के बाद मिलेगी गर्मी से निजात

» मौसम विभाग ने जारी किया भीषण गर्मी का रेड अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, यूपी, राजस्थान सहित कई राज्यों में भीषण गर्मी का दौर जारी है। सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक इतनी तेज धूप रहती है कि लोग बाहर निकलने से कतराते हैं। जैसे-जैसे दिन चढ़ता जाता है गर्मी बढ़ती ही जाती है। रात के 10 बजे तक गर्मी की धमक साफ तौर पर महसूस की जाती है। इधर मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक उत्तर-पश्चिम एवं मध्य भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप आगे भी जारी रहने की संभावना है। पंजाब हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों के लिए 12 और 13 जून को 'रेड अलर्ट जारी किया गया है।

रेड अलर्ट का मतलब है कि तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। मौसम विभाग ने बताया कि 13 जून की रात के बाद लोगों को तपती गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने बताया है कि भारत में मानसून के जल्दी दस्तक देने से मई में सामान्य से अधिक ठंड रही और साथ ही देश के उत्तर-पश्चिम और मध्य हिस्सों में गरज के साथ बारिश हुई। लेकिन जून की शुरुआत से बारिश की कमी के कारण तापमान में तेजी से वृद्धि हुई है। जिससे आठ-नौ जून से उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के बड़े हिस्से में लू की स्थिति पैदा हो गई है। बात पहाड़ी राज्यों की करें तो वहां की गर्मी लोगों की कड़ी परीक्षा ले रहा है। जम्मू 44.4 डिग्री सेल्सियस में भी अधिक तापमान दर्ज किया गया।

श्रीगंगानगर रहा सबसे गर्म स्थान

बुधवार को राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो देश में सबसे अधिक था। वहीं राष्ट्रीय राजधानी में उष्मा सूचकांक खतरनाक 51.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। उष्मा सूचकांक वह तापमान है जो सापेक्ष आर्द्रता के वायु के तापमान के साथ मिलने पर मानव शरीर को महसूस होता है।

राजेश्वर सिंह हाउस ऑफ लॉर्ड्स में हुए सम्मानित

» ईडी अधिकारी रह चुके हैं राजेश्वर सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की सरोजिनी नगर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजेश्वर सिंह को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उन्हें लंदन स्थित हाउस ऑफ लॉर्ड्स, पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में 'राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्टता' के लिए सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें यूके इंडिया लीगल पार्टनरशिप (यूकेआईएलपी) द्वारा प्रदान किया गया। यूके और भारत के बीच कानून, लोकतंत्र और प्रशासन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने वाले इस संगठन ने राजेश्वर सिंह के बहुआयामी योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान सौंपा।

पूर्व प्रवर्तन निदेशालय अधिकारी रह चुके राजेश्वर सिंह ने राजनीति में कदम रखने के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है। उन्होंने जनहित के मुद्दों को जोरशोर से उठाया और भ्रष्टाचार, प्रशासनिक पारदर्शिता तथा सामाजिक न्याय जैसे विषयों पर सशक्त भूमिका निभाई। विधायक बनने से पहले वे वित्तीय अपराधों के खिलाफ जांच और कार्रवाई के लिए प्रसिद्ध थे। राजेश्वर सिंह के इस सम्मान पर उत्तर प्रदेश की राजनीतिक और प्रशासनिक दुनिया में भी प्रशंसा हो रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह उपलब्धि भारत और ब्रिटेन के संबंधों में बढ़ते आपसी विश्वास और भारतीय जनप्रतिनिधियों की वैश्विक स्वीकार्यता को भी दर्शाती है। यह सम्मान राजेश्वर सिंह के राजनीतिक सफर में एक मील का पत्थर माना जा रहा है जो आने वाले समय में उनकी भूमिका और दायरे को और भी व्यापक बना सकता है।

भाजपा विधायक को राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्टता के लिए मिला सम्मान

राजेश्वर सिंह बोले- यह मेरे लिए अत्यंत गौरव का क्षण

इस सम्मान को लेकर राजेश्वर सिंह ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा यह मेरे लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश और भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। राजेश्वर सिंह का यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान भाजपा के लिए भी एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। इससे युवा नेताओं को प्रेरणा मिलेगी जो उन्हें ईमानदारी, कर्मठता और जनसेवा का मार्ग अंतरराष्ट्रीय मंचों तक ले जा सकता है।

रबाडा का पंजा, 212 रन पर सिमटे कंगारू

» डब्ल्यूटीसी फाइनल पहले दिन का खेल खत्म होने तक अफ्रीका ने 43 रन पर गंवाए चार विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका और गत विजेता ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। कगिसो रबाडा की घातक गेंदबाजी के दम पर अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 212 रन पर ऑलआउट कर दिया। उनके लिए ब्यू वेबस्टर ने 72 और स्टीव स्मिथ ने 66 रनों की पारियां खेलीं।

वहीं, अफ्रीका की तरफ से रबाडा ने पांच और मार्को यानसेन ने तीन विकेट लिए जबकि केशव महाराज और एडेन मार्करम को एक-एक सफलता मिली।

जवाब में अफ्रीका ने पहली पारी में चार विकेट खोकर 43 रन बनाए। मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिए जबकि जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने एक-एक सफलता अपने नाम की। पहले दिन का खेल खत्म होने तक कप्तान टेम्बा बावुमा तीन और डेविड बेडिंघम आठ रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। बता दें अफ्रीका पर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने दबाव बनाया। उन्हें पहला झटका स्टार्क ने दिया। उन्होंने एडेन मार्करम को बोल्ड किया, वह खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद स्टार्क ने रेयान रिकेल्टन को उस्मान ख्वाजा के हाथों कैच आउट कराया। वहीं ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी झटके के साथ हुई। उस्मान ख्वाजा खाता भी नहीं खोल पाए। उन्हें रबाडा ने पवेलियन भेजा। इसके बाद रबाडा ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए कैमरन ग्रीन को अपना शिकार बनाया, जो सिर्फ चार रन बना पाए। सलामी बल्लेबाज लाबुशेन भी ज्यादा देर विकेट पर टिक नहीं पाए।

अफ्रीका के लिए सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बने रबाडा

पहली पारी में रबाडा ने कुल पांच विकेट हासिल किए। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए टेस्ट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए। उनके नाम 332 विकेट दर्ज हो गए हैं। इस मामले में उन्होंने एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 330 विकेट हासिल किए थे।

विमान दुर्घटनाग्रस्त : एयरपोर्ट बंद, जांच चालू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। हादसे के बाद घटनास्थल के आसपास की सभी सड़कों को बंद कर दिया गया। अस्पताल में करीब 1,200 बेड का इंतजाम किया गया है। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के प्रवक्ता ने बताया कि एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के चलते सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अहमदाबाद फिलहाल चालू नहीं है।

अगली सूचना तक सभी उड़ान संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिए गए हैं। इस हादसे को लेकर एयर इंडिया की तरफ से बताया गया, फ्लाइट एआई171 अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही थी। आज 12 जून को दुर्घटना का शिकार हुई है। हम अभी विवरण की जांच कर रहे हैं और इस मामले में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और एयर इंडिया की वेबसाइट पर अधिक जानकारी साझा करेंगे।

कैप्टन सुमीत सभरवाल उड़ा रहे थे प्लेन

एयर इंडिया का ये बयान गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना हुआ था। हालांकि, गुरुवार को 1 बजकर 38 बजे उड़ान भरने के 5 मिनट बाद ही विमान रिहायशी इलाके (मेघानी नगर) में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान की कमान कैप्टन सुमीत सभरवाल के पास थी। वहीं, उनके साथ फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर थे। कैप्टन सुमीत सभरवाल के पास 8200 घंटे विमान उड़ाने का अनुभव है। वहीं, उनके सह-पायलट को 1100 घंटे का उड़ान अनुभव था।

अहमदाबाद में इससे पहले भी हो चुका है हादसा

अहमदाबाद में इससे पहले भी एक बड़ा विमान हादसा हुआ था। 19 अक्टूबर 1988 को इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 113, जो मुंबई से अहमदाबाद आ रही थी, दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में 135 लोग सवार थे, जिनमें से 133 की मृत्यु हो गई थी। यह भारत के सबसे भीषण विमान हादसों में से एक था।

217 वयस्क, 11 बच्चे और 2 नवजात सवार थे विमान में

जले, अधजले शव हो रहे हैं बरामद

गुजरात के पूर्व सीएम रूपाणी

विजय रूपाणी भारतीय जनता पार्टी के नेता और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री थे। विजय रुपाणी का जन्म रंगून में हुआ था जिसे अब यांगून, म्यामांर के नाम से जाना जाता है। उनका परिवार 1960 में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद गुजरात के राजकोट चला गया। रूपाणी जब स्कूल में थे वो तभी RSS की शाखा में शामिल हुए। इसके बाद वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जरिए वो भाजपा में शामिल हुए। साल 2014 में अपना विधानसभा चुनाव लड़ा और राजकोट पश्चिम से उपचुनाव जीता। साल 2006 से 2012 तक वो राज्यसभा के भी सदस्य थे। विजय रुपाणी ने साल 2016 से लेकर 2021 तक गुजरात के 16वें मुख्यमंत्री के तौर पर भी काम किया है।

20 प्रशिक्षु डॉक्टरों की मौत की आशंका

बताया जा रहा है कि इस विमान के हॉस्टल का इमारत से टकराने के कारण कम से कम 20 प्रशिक्षुओं की मौत की खबर है। हालांकि, इसको लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस बीच, अहमदाबाद एयरपोर्ट को आज रात 12 बजे तक बंद करने की घोषणा की गई है। विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के समय इमारत में कम से कम 200 लोग मौजूद थे, जिसे देखते हुए अब मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

इन्होंने विमान दुर्घटना पर जताया दुख

पीएम मोदी ने कहा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।

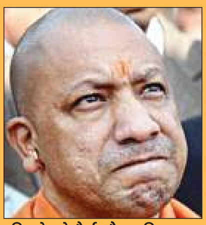

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट ह्ल171 की दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने इस हृदयविदारक हादसे में जान गंवाने वाले यात्रियों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा अहमदाबाद में विमान दुर्घटना की दुखद खबर अत्यंत पीड़ादायक है। कई यात्रियों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि सभी सुरक्षित रहें और इस प्रकार की घटनाओं में जनहानि न हो। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को धैर्य और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ी है।

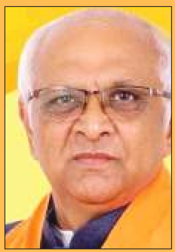

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा, अहमदाबाद में एयर इंडिया के यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना से मैं बहुत दुखी हूं। मैंने अधिकारियों को दुर्घटना में तत्काल बचाव एवं राहत कार्य करने तथा घायल यात्रियों के तत्काल उपचार की व्यवस्था युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा मैंने घायल यात्रियों को उपचार के लिए ले जाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था करने तथा अस्पताल में उपचार की सभी व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने आगे कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुझसे बात की है और इस विमान दुर्घटना में बचाव एवं राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ टीमों और केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

हम पार्टी के संयोजक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया विमान के टेक ऑफ के तुरंत बाद क्रैश होने की खबर बेहद दुखद है। मैं घायल यात्रियों के अतिशीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना तथा मृतकों के शोकाकुल परिजनों के प्रति इस दुःख की घड़ी में संवेदना प्रकट करता हूं।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने भी इस हादसे पर दुख जताया है। गौतम अदाणी ने एक्स पर लिखा है कि एयर इंडिया फ्लाइट 171 की त्रासदी से स्तब्ध और बहुत दुखी हूं। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं। जिन्होंने अकल्पनीय क्षति झेली है। हम सभी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जमीन पर मौजूद परिवारों को पूरा समर्थन दे रहे हैं।

क्षत-विक्षत हालत में मिल रहे शव

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।